

छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार : हरेली

चर्चा में क्यों?

08 अगस्त, 2021 को छत्तीसगढ़ अंचल का प्रथम त्यौहार 'हरेली' हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रमुख बदि

- हरेली त्यौहार छत्तीसगढ़ का प्रथम त्यौहार माना जाता है, जसि प्रतविरष सावन माह में हरेली अमावस्या के दनि मनाया जाता है।
- यह त्यौहार छत्तीसगढ़ के कसिनॉ के लयि वशिष महत्त्व रखता है। धान की बुआई के बाद कसिनॉ द्वारा हरेली के दनि सभी कृषि एवं लौह औज़ारों की पूजा की जाती है।
- हरेली परव में कसिन बैलों और हल सहति वभिन्नि औज़ारों की वशिष पूजा करने के बाद खेती-कसिनी का काम शुरु करते हैं।
- हरेली त्यौहार के दनि घरों में इस त्यौहार का वशिष व्यंजन 'चीला' बनाया जाता है। इसे औज़ारों में चढ़ाकर इसकी पूजा की है, तत्पश्चात् इसे घर के सदस्यों को प्रसादस्वरूप दिया जाता है।
- हरेली के दनि पुरुषों के द्वारा गेड़ी (बाँस से नर्मति) बनाकर उस पर चढ़ा जाता है। कहीं-कहीं गेड़ी दौड़ का आयोजन भी किया जाता है।